बाल विकास

बालकों में वृद्धि एवं विकास क्रमबद्ध तरीके से होता है। प्रत्येक बालक अपने जीवन के विशेष समय में कई अवस्थाओं से गुजरता है। इन अवस्थाओं को बाल विकास की सामान्य अवस्थाएं कहा जाता है। कोई बालक सामान्य अवस्था से गुजर रहा है यह आसानी से जाना जा सकता है, लेकिन किसी बालक की बुद्धि का विकास सही तरीके से नहीं हो पा रहा है यह जानने के लिए हमें उस बालक की विचित्र क्रियाकलापों का बारीकी से अध्ययन करना होता है। हमें यह देखना होता है कि विकास की अवस्थाएं प्राप्त करने में बालक ने सामान्य बालक की अपेक्षा कितना अधिक समय लगाया है। मानसिक मंदता की पहचान जांच सूचियों द्वारा की जा सकती है, जो निम्नलिखित है–

जांच सूची संख्या 1 (3 वर्ष से कम आयु)

क्र.सं.	मद	सामान्य आयु के बालकों को लगने वाला समय	यदि माह तक अपेक्षित कार्य न कर सके
1.	नाम/आवाज लेकर बुलाये जाने पर प्रतिक्रिया करता है या नहीं	1 माह	4 माह
2.	किसी को देखकर मुस्कुराता है या नहीं	1–4 माह	6माह
3.	धीरे–धीरे सिर को संभालता है या नहीं	2–4 माह	6माह
4.	सहारे के बिना बैठता है या नहीं	5–10 माह	12 माह
5.	सहारे के बिना खड़ा होता है या नहीं	9–14 माह	18माह
6.	ठीक से चलता है या नहीं	10–20 माह	20 माह
7.	2–3 शब्दों के वाक्य बोलता है या नहीं	16–30 माह	36माह
8.	स्वयं खाता पीता है या नहीं	2–3 वर्ष	4 वर्ष
9.	अपना नाम बोलता है या नहीं	2–3 वर्ष	4 वर्ष
10.	शौचादि पर नियंत्रण रख सकता है या नहीं	3–4 वर्ष	4 वर्ष
11.	साधारण खतरों से बचता है या नहीं	3–4 वर्ष	4 वर्ष
12.	अन्य कारण : दौरे पड़ते हैं	नहीं	हाँ
13.	शारीरिक असमर्थता है	नहीं	हाँ

जांच सूची संख्या 2 (3 से 6वर्ष)

क्र.सं.	निम्नलिखित पर ध्यान दें	हाँ/नहीं
1.	दूसरे बच्चे की तुलना में बच्चे ने बैठना, खड़ा होना या चलना अपेक्षाकृत अत्यधिक देर से शुरू किया	हाँ/नहीं

2.	क्या बच्चे को सुनने में कठिनाई होती है	हाँ/नहीं
3.	क्या बच्चे को देखने में कठिनाई होती है।	हाँ/नहीं
4.	जब आप बच्चे को कुछ करने के लिए कहते हैं तो क्या उसे आपकी बात समझने में परेशानी होती है।	हाँ/नहीं
5.	क्या बच्चे के अंगों में कमजोरी और/या ऐंठन है/या अपने हाथ पैर घुमाने में परेशानी होती है।	हाँ/नहीं
6.	क्या बच्चे को कभी कभार दौरा पड़ता है, उग्र हो जाता है या अचेत हो जाता है।	हाँ/नहीं
7.	क्या बच्चे को अपनी आयु के अन्य बच्चों की तरह कुछ सीखने में कठिनाइयां आती हैं	हाँ/नहीं
8.	क्या बच्चा कुछ भी बोलने में असमर्थ होता है? शब्दों को समझ नहीं पाता है।	हाँ/नहीं
9.	क्या बच्चे के बोलने का ढंग सामान्य बच्चे से किसी प्रकार भिन्न है।	हाँ/नहीं
10.	अपनी आयु के बच्चे की तुलना में क्या बच्चा किसी भी तरह से पिछड़ा, उदासीन या मंदबुद्धि दिखाई पड़ता है।	हाँ/नहीं

जांच सूची 3 (7 वर्ष और अधिक)

1.	क्या बच्चे ने दूसरे बच्चे की तुलना में बैठना, खड़ा होना या चलना अत्यधिक देर से किया है	हाँ/नहीं
2.	क्या बच्चा खाने, कपड़े पहनने, नहाने और तैयार होने जैसे कार्य नहीं कर सकता	हाँ/नहीं
3.	क्या बच्चे को समझने में कठिनाई होती है? कहा जाता है कि यह करो या वह करो	हाँ/नहीं
4.	क्या बच्चे की बोली स्पष्ट नहीं है।	हाँ/नहीं
5.	क्या बच्चे को पूछे बिना स्पष्ट करने में कठिनाई आती है? जो कुछ भी उसने सुना या देखा हो।	हाँ/नहीं
6.	क्या बच्चे के अंग कमजोर हैं और/या ऐंठन है या हाथ पैर को घुमाने–फिराने में कठिनाई आती है।	हाँ/नहीं
7.	क्या बच्चे में कभी कभार दौरे पड़ते हैं, उग्र हो जाता है	हाँ/नहीं
8.	अपनी आयु के अन्य बच्चों की तुलना में बच्चा पिछडा हुआ, उदासीन या मंदबुद्धि दिखाई पड़ता है।	हाँ/नहीं

सूची संख्या 2 और 3 में दिये गये समस्त बिन्दुओं का उत्तर अगर हाँ में आता है तो समझ लीजिए कि बालक मंदबुद्धि की श्रेणी में आता है।

परामर्श : बालक के मंदबुद्धि होने पर उसके प्रशिक्षण हेतु ऐसे व्यक्ति से परामर्श/सलाह ली जानी चाहिए जो मंदबुद्धि बालक के प्रशिक्षण की पर्याप्त योग्यता रखता हो। सामान्य चिकित्सालयों में बाल चिकित्सक/मनोरोग विज्ञान विभाग, मानसिक अस्पताल, बाल निर्देशन क्लिनिक और मंदबुद्धि बालकों के विशेष स्कूल, जिला पुनर्वास केन्द्र में मनोविज्ञान/व्यवसायिक निर्देशन परामर्शदाता आदि ऐसे स्थान और केन्द्र हैं जहाँ मंदबुद्धि बालकों की स्थिति के बारे में ज्ञात कर सकते हैं।

रोग निदान से पूर्व अभिभावकों से इन बिंदुओं पर सूचना लेना अपेक्षित है। गर्भावस्था के दौरान माता के स्वास्थ्य का ब्यौरेवार वितरण, बच्चे के प्रसव के स्वरूप, प्रकार के ब्यौरे, देखी गई जटिलताएं यदि कोई बीमारी और इस प्रकार की बीमारी का विवरण यदि परिवार में किसी को हो। सम्पूर्ण विवरण देने के पश्चात् ही विकास की रूपरेखा तय की जा सकती है। यदि आवश्यक हो तो बुद्धि परीक्षण भी किये जा सकते हैं। बच्चे का परीक्षण डॉक्टर द्वारा ही किया जाता है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बच्चे में चिकित्सकीय समस्या जैसे–दौरा पड़ना आदि तो नहीं है, इसके पश्चात् ही प्रशिक्षण योजना तय की जाती है।

सौजन्य से –

हौंसला

हर मोड़ पर गिर–गिर के सम्भलना होगा,
धीरे–धीरे ही सही, पर राह पर चलना होगा।
हम किसी तरह दूसरों को बदल सकते नहीं,
हर हाल में स्वयं को ही बदलना होगा।